



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (1)  
PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 429]

नई दिल्ली, बुधवार, सितम्बर 25, 1985/आश्विन 3, 1907

No. 429] NEW DELHI, WEDNESDAY, SEPTEMBER 25, 1985/ASVINA 3, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

## उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1985

सा.का.नि. 757 (अ).—केन्द्र सरकार, आवश्यक वस्तु अधिनियम,  
1955 (1955 का 10) के धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग  
करते हुए, निम्नलिखित आदेश करता है अर्थात् :-

1. (1) इस आदेश का संक्षिप्त नाम आयल प्रेशर स्टोव  
(क्वालिटी नियंत्रण) आदेश, 1985 है।

(2) यह 1 अप्रैल, 1986 को प्रवृत्त होगा।

2. परिभाषाएं:—इस आदेश में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित  
न हो—

(क) "आयल प्रेशर स्टोव" से तात्पर्य कुलित मिट्टी के तेल\* से दहन  
होने वाले ऐसे दाहक साधन अभिप्रेत है जिनका आणविक  
घरेलू और वाणिज्यिक उपयोग के लिए है।

(ख) "विनिर्दिष्ट मानक" से निम्नलिखित भारत में मानक/विनिर्देश  
अभिप्रेत है :-

क्रम सं.	भा.मा.सं.	संदर्भ
1.	भा.मा. : 1342—1978	आयल प्रेशर स्टोवों के लिए विनिर्देश (तत्सरा संशोधन)।
2.	भा.मा. : 8808—1978	आयल प्रेशर स्टोवों और आयल प्रेसर हाटर्स के बर्नरों के लिए विनिर्देश।
3.	भा.मा. : 2787—1979	बहु-बर्नर आयल प्रेशर स्टोवों के लिए विनिर्देश (पहला संशो- धन)
4.	भा.मा. : 10109—1981	आयल प्रेशर स्टोव आफ-सेट बर्नर टाइप के लिए विनिर्देश।

\*सामान्य कार्यकरण दाब के 100 से 200 (1 से 2 कि.घा./सें.म.मी.) के प्रसंग।

3. कोई भी व्यक्ति स्वयं या उसके और से कोई व्यक्ति कोई  
ऐसा आयल प्रेशर स्टोव, जो विनिर्दिष्ट मानकों के अनुरूप नहीं है,  
विनिर्दिष्ट नहीं करेगा या विक्रय के लिए भंडार में नहीं रखेगा, विक्रय  
या वितरित नहीं करेगा और वह भा.मा.सं. प्रमाणन चिह्न सहित होगा  
तथा आयल प्रेशर स्टोवों में लगाए गए बर्नर भा.मा. 8808—1978

के अनुसार होंगे, परन्तु यह और कि इस आदेश का कोई भी बात ऐसे आवश्यक प्रेशर स्टोवो के निर्यात के संबंध में लागू नहीं होगी, जो विनिर्दिष्ट मानकों के अनुरूप नहीं हैं, किन्तु विदेशी क्रेता द्वारा प्रेषित किसी विनिर्देश के अनुरूप हैं।

4. अच-मानक या त्रुटिपूर्ण स्टोवों या ऐसा कच्चा सामग्री या सघटकों को जो विनिर्दिष्ट मानकों के अनुरूप नहीं हैं, इस प्रकार बिगाड़ दिया जाएगा जिससे कि उनका उपयोग नहीं किया जा सके और उनका रद्द भाग के रूप में व्ययन कर दिया जाएगा।

[फा.सं. 11/12/85-स.आई]

पा. मुरारी, अपर सचिव

#### MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 23th September, 1985

G.S.R. 757 (E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Essential Commodities Act, 1955 (10 of 1955), the Central Government hereby makes the following Order, namely :—

1. (1) This Order may be called the Oil Pressure Stoves (Quality Control) Order, 1985.

(2) It shall come into force on 1st April, 1986.

2. Definitions:—In this Order, unless the context otherwise required—

(a) "Oil Pressure Stoves" means burning appliances intended for domestic and commercial use, burning pressurised Kerosine Oil\*.

(b) "Specified Standards" means the following Indian Standards/Specifications :—

Sl.No.	IS: No.	Title
1.	IS : 1342-1978	Specifications for Oil Pressure Stoves (3rd Revision).
2.	IS : 8808-1978	Specification for Burners for Oil Pressure Stoves and Oil Pressure Heaters.
3.	IS : 2787-1979	Specification for Multi-Burner Oil Pressure Stoves (First Revision).
4.	IS : 10109-1981	Specification for Oil Pressure Stoves Off-set Burner Type.

\*Under normal working Pressure of 100 to 200 Kn/m<sup>2</sup> (1 to 2 Kg/cm<sup>2</sup>).

3. No person shall by himself or by any person on his behalf manufacture or store for sale, sell or distribute any oil pressure stove which does not conform to the Specified Standards and that it would be with ISI Certification Mark and the burners provided with the oil pressure stoves shall be in accordance with IS : 8808-1978, provided further that nothing in this Order shall apply in relation to export of oil pressure stoves which do not conform to the specified standards but conform to any specification required by the foreign buyer.

4. The sub-standard or defective stoves or raw material or components which do not conform to the specified standards shall be deformed beyond use and disposed as scrap.

[F.No. 11/12/85-C.L.]  
P. MURARI, Addl. Secy.